भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2797

जिसका उत्तर 08.08.2024 को दिया जाना है

सिलक्यारा सुरंग का ढहना

2797. श्री कार्ती पी. चिदम्बरम:

श्री शफी परम्बिल:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (एनईसी) के साथ किए गए अपने अनुबंध में एक खंड शामिल किया है जिसके तहत सिलक्यारा सुरंग के लिए एक बचाव निकास मार्ग का निर्माण किया जाना है जैसा कि आर्थिक मामलों संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा यथा अधिदेशित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार को ऐसी अनेक रिपोर्टों के निष्कर्षों की जानकारी है जिनमें 'शियर' जोनों होने के कारण निर्माण से जुड़े खतरों की पहचान की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इन अभिज्ञात खतरों के बावजूद परियोजना को स्वीकृति दिए जाने के क्या कारण हैं; और

(घ) सरकार द्वारा ऐसी अवसंरचना परियोजनाओं में सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) मंत्रिमंडल समिति द्वारा अधिदेशानुसार राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) ने रारा-134 (पुराना रारा-94) पर 2-लेन द्वि-दिशात्मक सिल्कयारा बेंड-बरकोट सुरंग के निर्माण के संविदा करार में निकासी मार्ग के निर्माण का खंड शामिल किया है।

निर्मित की जा रही सुरंग एक एकल ट्यूब सुरंग है, जिसके बीच में एक विभाजन दीवार है, जिससे आपातकालीन स्थिति में दोनों लेन का उपयोग दोनों ओर के बचाव निकास मार्ग के रूप में किया जा सकेगा।

(ख) और (ग) हिमालयी क्षेत्रों में शियर जोन आम हैं, इसलिए इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए पहाड़ियों में निर्माण कार्य किए जाते हैं।

संविदा करार के अनुसार वैज्ञानिक तकनीक और कार्यप्रणाली के माध्यम से शियर जोन जैसे जोखिमों का समाधान किए जाने पर विचार करते हुए परियोजना को अनुमोदित किया गया था।

इसके अलावा, क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए सिल्कयारा सुरंग परियोजना महत्वपूर्ण है और यह चारधाम के एक प्रमुख तीर्थ स्थल यमुनोत्री से पूरे वर्ष संपर्कता (कनेक्टिविटी) उपलब्ध कराती है। यह परियोजना राष्ट्र के महत्वपूर्ण सामरिक उद्देश्यों को भी पूरा करती है।

(घ) राजमार्ग/सुरंग परियोजनाओं के डिजाइन, निर्माण और संचालन एवं अनुरक्षण (ओएंडएम) के विभिन्न चरणों के दौरान सुरक्षा उपाय एक अभिन्न अंग हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों/सुरंगों के डिजाइन, निर्माण और अनुरक्षण के लिए आईआरसी कोड/दिशानिर्देशों के अनुसार उचित सुरक्षा उपाय अपनाए जाते हैं।

*****